# मॉयल लिमिटेड

एवं

# इस्पात मंत्रालय
# भारत सरकार

के मध्य

# समझौते का ज्ञापन
## 2012–2013

## मॉयल लिमिटेड
" मॉयल भवन ", 1 ए, काटोल रोड़
नागपुर–440 013

# मॉयल लिमिटेड एवं इस्पात मंत्रालय

के मध्य

## समझौते का ज्ञापन

जैसा कि , मॉयल द्वारा हासिल किए गए निष्पादन में वृद्वि करना एवं उसे कामय रखना अति आवश्यक है, इस उद्देष्य की प्राप्ति के लिए मॉयल लिमिटेड एवं इस्पात मंत्रालय निम्नलिखित बिंदुओं पर सहमत हैं :–

यह सहमति पत्र निम्नलिखित पांच भागों में रचित है :–

भाग– 1 दूरदर्षिता / कार्य एवं उद्देश्य

भाग– 2 स्वायत्ता का प्रयोग एवं वित्तीय अधिकारों के प्रदान करना

भाग–3 कार्य प्रगति का मूल्यांकन परिमाप तथा लक्ष्य

भाग–4 सरकार की प्रतिबद्यताएं एवं सहायता

भाग–5 समझौता ज्ञापन के कार्यान्वयन तथा निगरानी हेतु कार्यवाही की योजना

## भाग–1

### क) लक्ष्य :

उपलब्ध कुशल साधनों के उपयोग एवं उद्यन द्वारा विश्व की उत्तम मैंगनीज खनन कंपनियों में स्थान पाना। संयुक्त उपक्रम एवं तकनीकी के स्थानांतरण के माध्यम द्वारा मुल्य वृद्वि में ध्यान को रखते हुए विश्व स्तर पर कंपनी के कार्यकलापों को सभी प्रभावित क्षेत्रों में फैलाना/वृद्वि करना ।

### ख) लक्ष्य प्राप्तिः

1. भारत के मैंगनीज उद्योग बाजार में अपनी अग्रणी प्रतिष्ठा को बनाएं रखना ।
2. पर्याप्त अधिषेशों की उत्पत्ति करना एवं पदधारियों के संतोश के अनुसार उनका लाभांश सुनिश्चत करना ।
3. सभी स्तरों पर मैंगनीज अयस्क तथा संबंधित उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखना तथा गुणवत्ता पूर्ण सामग्री एवं सेवाएं शीघ्र प्रदान कर ग्राहकों के समाधान में वृद्वि करना ।
4. निम्न एव मध्यम श्रेणी के अयस्क के परिश्करण एवं मूल्यवर्धन द्वारा वृद्वि करने हेतु खनन एवं उन्नयन प्रणाली का अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से एवं नई प्रोद्योगिकी द्वारा विविधीकरण एवं आधुनीकिकरण करना ।
5. **उत्पादकता में वृद्वि करने , कार्य क्षमता की उपयोगिता एवं लागत दक्षता मानव साधन एवं सामग्री के सर्वश्रेष्ठ उपयोग द्वारा लक्ष्य हासिल करना ।**
6. **फैरो मैंगनीज संयंत्र के लिए हर संभव सस्ते लागत प्रणाली की प्रभावी बिजली सेवाओं की खोज करना ।**

7. अन्य सुधारित सुरक्षा कार्य प्रणाली द्वारा शून्य दुर्घटना दर के लिए प्रयास करना ।

8. कर्मचारियों के जीवन की एवं उद्योग के प्रतिवेश्य में अंश धारकों की उच्च गुणवत्ता को सुरक्षित करना ।

## भाग–2

### वृद्विगत स्वस्थता का अभ्यास एवं वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधान

मिनीरत्न श्रेणी–1 के हस्ताक्षर के सभी अधिकार मॉयल लिमिटेड के पास निरंतर उपलब्ध होंगे ।

# खण्ड–3

कार्य संपादन का मूल्याकन परिमाप एवं लक्ष्य प्राप्ति हेतु

मॉयल का वस्तुगत एवं वित्तीय निश्पादन पिछले पांच वर्षों में हुआ वह संकलन परिपत्र में दर्शाया गया है । वर्ष 2012–13 के दौरान कंपनी के निश्पादन का मूल्यांकन करने हेतु निश्पादन सूचक तथा प्रत्येक संबंधित प्रभाव नीचे दर्शाया गया है ।

| निष्पादन | इकाई | प्रभाव | बजट अनुमान | | निष्पादन मूल्यांकन | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 2011.2012 | 2012.2013 | उत्कृष्ट 1 | अत्युत्तम 2 | उत्तम 3 | औसत 4 | निराषाजनक 5 |
| भाग–अ | | | | | | | | | |
| अ– स्थिर निष्पादन परिमाप | 50 | | | | | | | | |
| क–वित्तीय निष्पादन सूचक | | | | | | | | | |
| 1.सकल हाषिया/सकल खंड | 2 | | 163.20 | 101.28 | 106.35 | 101.28 | 97.64 | 94.00 | 90.35 |
| 2.शुद्ध लाभ/कुल प्राप्त 30 | 10 | | 19.96 | 11.96 | 12.54 | 11.96 | 11.54 | 11.11 | 10.69 |
| 3.सकल लाभ/लगाई गई पूंजी | 10 | | 30.83 | 18.81 | 19.71 | 18.81 | 18.15 | 17.48 | 16.81 |
| ख–वित्तीय सूचक तालिकों का आकार | | | | | | | | | |
| 1.एकल हषिया/किनारा (करोड़ रूपये) | 8 | | 782.00 | 516.00 | 541.79 | 516.00 | 497.00 | 478.87 | 460.30 |
| 2.सकल बिक्री | 4 | | 1150.00 | 973.84 | 833.53 | 793.84 | 754.15 | 714.46 | 874.00 |
| ग–उत्पादकता एवं संपूर्ण घटक की उत्पादकता | | | | | | | | | |
| 1.पी.बी.डी.आय.टी/संपूर्ण श्रम | 7 | | 116.825 | 7672.80 | 8056.30 | 767.86 | 7396.79 | 180.71 | 6844.6 |
| 2.जोडी गई अतिरिक्त कीमत सकल/बिक्री | 9 | | 48.25 | 32.84 | 34.22 | 32.84 | 32.84 | 31.56 | 30.81 |
| नोटः | | | | | | | | | |
| 1.सकल लाभ (जी.सी.)(करोड रू.) | | | 749.65 | 480.03 | 505.82 | 480.03 | 461.46 | 442.90 | 424.33 |
| 2.पूंजी निवेश वर्ष के अंत | | | 2431.71 | 2553.66 | 2565.83 | 255.66 | 2543.25 | 2533.64 | 2524.1 |
| 3.शुद्ध लाभ (एस.पी.) करोड रू. | | | 500.64 | 320.58 | 337.80 | 320.58 | 308.18 | 295.78 | 283.38 |
| 4.शुद्ध धन वर्श के अंत तक | | | 2508.80 | 2680.83 | 2694.04 | 2680.83 | 2671.20 | 2661.81 | 2652.3 |
| 5.जोडी गई राषि करोड रू. | | | 538.83 | 260.73 | 285.20 | 260.73 | 243.12 | 225.51 | 207.89 |
| 6.सकल खांड करोड रू. | | | | | | | | | |
| 7.कुल श्रमिक संख्या (नंबर में) | | | 6725 | 6725 | 6725 | 6725 | 6725 | 6725 | 6725 |

| निश्पादन | इकाई प्रभाव | बजट अनुमान | | निश्पादन मूल्यांकन | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 2011.2012 | 2012.2013 | उत्कृष्ट 1 | अत्युत्तम 2 | उत्तम 3 | औसत 4 | निराषजनक 5 |
| 2.गतिमान परिमाप | 36 | | | | | | | |
| 1– गुणवत्ता ओएचएसएएस प्रमाणिकरण–18001–2007 | 1 | | | | | | | |
| क. गुमगांव खान के लिए | 0.5 | — | — | 30 नव. 2012 | 31 दिस. 2012 | 31 जन. 2013 | 28 फर. 2013 | 31 मार्च 2013 |
| ख. मनसर खान के लिए | 0.5 | | | 30 नव. 2012 | 31 दिस. 2012 | 31 जन. 2013 | 28 फर. 2013 | 31 मार्च 2013 |
| 2– ग्राहक संतुश्टि | 1 | | | | | | | |
| क. जारी डीओ के संबंध में प्रतिषत प्राप्त षिकायतें | 0.5 | 2.25 | 2.25 | 2.15 | 2.25 | 2.36 | 2.48 | 2.59 |
| ख. बिक्री पर प्राप्त बोनस (रूपये लाख में) | 0.5 | 110 | 110 | 120 | 110 | 100 | 99 | 94 |
| 3– मानव संसाधन प्रबंधन | 5 | | | | | | | |
| | | अनुलग्नक–3 के अनुसार | | | | | | |
| 4.अनुसंधान एवं विकास कार्य | 5 | | | | | | | |
| | | अनुलग्नक–4 के अनुसार | | | | | | |
| 5.परियोजना कियान्वयन | 1.25 | | | | | | | |
| (आधुनिकीकरण एवं विस्तार) | | | | | | | | |
| क.मनसर खान वर्टीकल षाप्ट का 120 मी. तक सिंकिग करना | 0.5 | — | — | 31 जन. 2013 | 15 फर. 2013 | 28 फर. 2013 | 15 मार्च 2013 | 31 मार्च 2013 |
| ख. उकवा खान वर्टीकल षाप्ट का 55 मी. तक सिंकिग करना | 0.5 | — | — | 31 जन. 2013 | 15 फर. 2013 | 28 फर. 2013 | 15 मार्च 2013 | 31 मार्च 2013 |
| ग. उकवा खान पर वर्टीकल षाप्ट के लिए हेड गियर का निर्माण एवं उत्थापन करना | 0.25 | — | — | 31 जन. 2013 | 15 फर. 2013 | 28 फर. 2013 | 15 मार्च 2013 | 31 मार्च 2013 |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6.पूंजी खर्च<br>ळरित क्षेत्र लागत/संयुक्त उपक्रम | 1.75 | | | | | | | |
| 1—भीतरी खदान में डूबते हवाई यंत्र की स्थापना अंतर खदान में छेदिल स्तंभ के गहराई हेतु | 0.25 | — | — | 15 जन. 2013 | 31 जन. 2013 | 15 फर. 2013 | 28 फर. 2013 | 31 मार्च 2013 |
| 2—चिखला खदान के द्वितीय स्तंभ वे संभावित हेतु रिपोर्ट तैयार करना | 0.25 | — | — | 30 सित. 2012 | 31 अक्टू. 2012 | 30 नव. 2012 | 31 दिस. 2012 | 31 जन. 2013 |
| 3—हवादार स्तंभ की स्थापना हेतु 20 मीटर गहराई तक,मनसर खदान में | 0.25 | — | — | 15 जन. 2013 | 31 जन. 2013 | 15 फर. 2013 | 28 फर. 2013 | 31 मार्च 2013 |
| पूंजीगत खर्च : | 1 | — | 192 | 202 | 192 | 182 | 173 | 164 |
| 1—ओवरसिज/विदेषी संपदा के— अधिग्रहण हेतु रोड नक्षा तैयार करने के लिए संस्था कील पष्चात अभिरूचित प्रदर्षन द्वारा | 1 | — | — | 15 जन. 2013 | 15 जन. 2013 | 15 फर. 2013 | 15 फर. 2013 | 31 मार्च 2013 |
| 7.कंपनी की सामाजिक जिम्मेदारी— | 5 | | | | | | | |
| 8.सी.एस.आर.के अंतर्गत खर्च (लाख रूपये में) (कंपनी की सामाजिक जिम्मेदारी) संलग्न पंचम पेपर अनुसार | 5 | 542 | 680 | 715 | 680 | 645 | 613 | 582 |
| 9.दीर्घ स्थायी प्रगति संलग्न छठवें पेपर अनुसार सामुहिक (कंपनी) का नियंत्रण —10 | 5 | | | | | | | |
| अ—सामूहिक नियंत्रण के निर्देष का अनुपालन मॉयल से संबंधित डीपीई के सुझावों के आधार पर सामूहिक नियंत्रण | 10 | | | 85 | 75—84 | 60—74 | 50—59 | 50 |
| ब—पीई सर्वेक्षण हेतु संपूर्ण आंकड़ों की प्राप्ति प्रस्तुत | 1 | | | 15 सित. 2012 | 1 अक्टू. 2012 | 15 अक्टू. 2012 | 31 अक्टू. 2012 | 31 अक्टू. 2012 के पष्चात |

नोट :— मैंगनीज अयस्क का औसत बिक्री कीमत रूप्ये 6644 प्रति मैट्रिक टन विकसित किया गया है , क्योंकि मैंगनीज अयस्क की कीमतें तीव्र गति से बढ रही है । जैसा कि पिछले वशे में देखा गया है यद्यपि कोई भी बदलाव 10 प्रतिषत उपर उपरोक्त प्राप्त रकमों में समाहित किया जाए एवं वित्तीय मापदंडों के मूल्यांकन करते समय संपूर्ण रकम को प्राप्त करने के लिए ।

.....

| निश्पादन | इकाई | प्रभाव | बजट अनुमान | | निश्पादन मूल्यांकन | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 2011.2012 | 2012.2013 | उत्कृष्ट 1 | अत्युत्तम 2 | उत्तम 3 | औसत 4 | निराषजनक 5 |
| ब) डीपीई के दिषा निर्देषों का पालन | | 5 | | | | | | | |
| 1.लाभांष अंष का प्रदान | | 1 | | | हॉ | | | | नहीं |
| 2.नियुक्ति में एससी,एसटी एवं टोबीसी के लिए आरक्षण | | 1 | | | हॉ | | | | नहीं |
| 3.प्रतिनियुक्तों की तैनाती | | 1 | | | हॉ | | | | नहीं |
| 4.वेतन पुनरीक्षण 2007 का कार्यान्वयन | | 1 | | | 100 | 80 | 60 | 40 | 20 |
| 5.वेतन श्रेणियों के सीडीए से आईडीए पैटर्न तक कायापलट | | 1 | | | 100 | 80 | 60 | 40 | 20 |
| भाग–ब<br>विषिश्ट परिमाप | | 14 | | | | | | | |
| 1) सेक्टर विषिश्ट परिमापी | | 1 | | | | | | | |
| 1.गवेशण<br>क.गवेशणात्मक वेतन (मीटर्स) | | 0.50 | 4200 | 4400 | 4600 | 4400 | 4180 | 3960 | 3740 |
| ख. कांद्री खान पट्टा क्षेत्र में नए मैंगनीज अयस्क के भंडार स्त्रोत का पता लगाना | | 0.25 | | | 30 नव. 2012 | 31 दिस. 2012 | 31 जन. 2013 | 28 फर. 2013 | 31 मार्च 2013 |
| 2.कुल सामग्री/पुर्जे पर प्रतिषत समग्री व्सतुसूची प्रतिषत | | 0.25 | 22.00 | 25.00 | 24.00 | 25.00 | 26.00 | 27.00 | 28.00 |
| 2) उपक्रम–विषिश्ट तथा क्षमता परिमाप | | 13 | | | | | | | |
| क. उत्पादन<br>1.मैंगनीज अयस्क फाईन्स को छोड़कर | (000 टन) | 4 | — | 900 | 940 | 900 | 855 | 810 | 765 |
| 2.मैंगनीज अयस्क–फाईन्स | (000 टन) | 2 | — | 250 | 260 | 250 | 238 | 225 | 213 |
| 3.मैंगनीज अयस्क कुल(000 टन) | | — | 1150 | 1150 | 1200 | 1150 | 1093 | 1035 | 978 |
| ख. विकास | | | | | | | | | |
| 1.ओपन कास्ट | (000क्यू.मी.) | 3 | 3800 | 4576 | 4805 | 4576 | 4347 | 4130 | 3924 |
| 2.अं/ग्रा. | (मीटर) | 3 | 6900 | 7281 | 7645 | 7281 | 6917 | 6571 | 6243 |
| घ) सुरक्षा<br>1.दुर्घटना के कारणवष (मानव दिवस) किए गए प्रति 1000 मानव दिवसों में हुई,मानव दिवसों की क्षति | | 1 | 1.20 | 0.26 | 0.20 | 0.26 | 0.30 | 0.35 | 0.40 |
| | | 100 | | | | | | | |

खण्ड–4

प्रतिबद्यदता/सरकार द्वारा सहायता :

1– सरकार वचन देती है कि मॉयल को सहायता देने के लिए अधिकारियों से आवश्यक प्राधिवधता प्राप्त करने के लिए जब कभी माइनिंग का लीज/पट्टे की नवीनीकरण की जरूरत होगी।

2– जब कभी आवश्यकता पड़ेगी, मैंगनीज अयस्क को भेजने के लिए रेलवे वैगन की जरूरत पड़ेगी।

खण्ड – 5

समझौता पक्ष को अनुपालन करने एवं निगरानी रखने की कार्य योजना :–

1– मॉयल वचनबध्द है कि विभिन्न कार्यकलापों की रिपोर्ट प्रत्येक तिमाही की 30 दिन के भीतर पेश की जाएगी।

2– मॉयल बोर्ड यह भी सुनिश्चित करेगा कि मॉयल के लक्ष्य के परिचालन की आंतरिक निगरानी की जाए।

3– मंत्रालय स्तर की अर्धवार्षिक संयुक्त समीक्षा बैठक ली जाएगी।

(के.जे. सिंह)
अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक
मॉयल लिमिटेड,
नागपुर

(पी.के. मिश्र)
सचिव
इस्पात मंत्रालय,
नई दिल्ली

# खनन घोषणा / प्रमाणीकरण

यह प्रमाणित किया जाता है कि मूल लक्ष्य एवं वास्तविक उपलब्धियां जो कि वित्तीय मापदंडों से संबंधित है का आकलन समझौता ज्ञापन के निहित मापदंडों, बिन्दुओं, परिभाषा के अनुसार वर्ष 2012–13 के लिए किया गया है । यदि कार्य निष्पादन के आंकलन के दौरान कोई त्रुटि पाई जाती है तो समझौता ज्ञापन के लेखा परीक्षण के दिशा निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन करने के लिए डी.पी.ई. स्वतंत्र है एवं सी.पी.एस.ई. को दाता करने का कोई अधिकार नहीं होगा ।

के.जे.सिंह,
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

मॉयल लिमिटेड

अनुलग्नक–2

पिछले 5 वर्शो का वित्तीय कार्य निश्पादन पॅरामीटर

(करोड रूपये में )

| विवरण | 2007–08 | | 2008–09 | | 2009–10 | | 2010–11 | | 2011–12 | | 2012–13 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | एमओयू | वास्त. | एमओयू | वास्त. | एमओयू | वास्त. | एमओयू | वास्त. | एमओयू | वास्त. | अनुमानित सित.11 तक | एमओयू |
| उत्पादन(मैंगनीज अयस्क) एक्सल फाईन्स(000टन) | 650 | 926 | 900 | 905 | 800 | 828 | 825 | 836 | 830 | 368 | 897 | 900 |
| उत्पादन (मैंगनीज अयस्क) फाईन्स (000टन) | 300 | 439 | 275 | 270 | 275 | 265 | 325 | 314 | 320 | 102 | 253 | 250 |
| उत्पादन मैंगनीज अय.(000टन) | 950 | 1365 | 1175 | 1175 | 1075 | 1093 | 1150 | 1150 | 1150 | 470 | 1150 | 1150 |
| सकल बिक्री | 320.00 | 973.36 | 550.00 | 1284.84 | 632.59 | 965.47 | 1000.00 | 1145.31 | 1150.00 | 406.21 | 930.00 | 793.84 |
| सकल पडता | 175.00 | 750.98 | 300 | 1031.42 | 392.05 | 732.09 | 650.00 | 912.66 | 782.00 | 316.46 | 547.76 | 516.00 |
| कर पूर्व लाभ | 150.00 | 734.91 | 274.62 | 1006.76 | 364.21 | 706.79 | 619.75 | 880.15 | 749.65 | 297.46 | 514.79 | 480.03 |
| कर पष्चात लाभ | 99.51 | 479.82 | 181.28 | 663.79 | 240.42 | 466.35 | 409.10 | 588.05 | 500.64 | 198.65 | 339.82 | 320.58 |
| सकल खण्ड | 341.09 | 302.48 | 341.04 | 342.00 | 385.68 | 357.03 | 425.14 | 396.46 | 479.16 | 403.29 | 454.46 | 509.46 |
| कम करें: मूल्य ह्रास | 125.94 | 113.60 | 136.85 | 136.36 | 167.27 | 160.49 | 194.84 | 190.48 | 223.09 | 209.48 | 223.44 | 259.41 |
| निवल खण्ड | 215.15 | 188.88 | 204.19 | 205.64 | 218.41 | 196.54 | 230.30 | 205.98 | 256.07 | 193.81 | 231.02 | 250.05 |
| प्रदत्त अंष पूंजी | 28.00 | 28.00 | 28.00 | 28.00 | 28.00 | 168.00 | 168.00 | 168.00 | 168.00 | 168.00 | 168.00 | 168.00 |
| आरक्षित एवं अधिषेश | 499.69 | 784.68 | 697.22 | 1292.87 | 1589.98 | 1509.37 | 1764.63 | 1960.29 | 2340.80 | 2112.62 | 2220.86 | 2512.83 |
| कम करें:आस्थगित राजस्व खर्च | 2.30 | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| पूर्व अधिग्रहण हानि | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| कम करें: लाभ हानि लेखा — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| निवल संपत्ती | 525.39 | 812.68 | 725.22 | 1320.87 | 1617.98 | 1677.37 | 1932.63 | 2128.29 | 2508.80 | 2280.62 | 2388.86 | 2680.83 |
| निवेष | 0.02 | 0.02 | 0.02 | 0.11 | 0.11 | 0.21 | 67.61 | 2.21 | 60.21 | 2.21 | 60.211 | 82.21 |
| विविध देनदार / बिक्री | 14: | 16.33 | 14 | 4.75 | 12: | 15.69 | 12: | 6.00 | 12: | 14.05 | 12 | 12 |
| वस्तु सूची | 29.15 | 22.69 | 23.54 | 58.37 | 89.12 | 47.54 | 36.87 | 97.43 | 65.19 | 45.42 | 64.00 | 65.00 |
| कुल चालू संपत्ति | 381.45 | 822.96 | 598.47 | 1448.60 | 1589.98 | 1742.79 | 1750.70 | 2204.20 | 2455.58 | 1989.07 | 2386.80 | 2609.72 |
| कुल चालू देयता एवं प्रावधान | 70.97 | 190.95 | 88.23 | 330.42 | 265.55 | 271.52 | 123.45 | 311.39 | 279.94 | 201.36 | 299.12 | 307.11 |
| निवल चालू संपत्ति | 310.48 | 632.01 | 510.24 | 1118.18 | 1324.43 | 1471.27 | 1627.25 | 1892.81 | 2175.64 | 1787.71 | 2087.68 | 2302.61 |
| नियोजित पूंजी (निवल खंड. निवल चालू संपति) | 525.63 | 820.89 | 714.43 | 1323.82 | 1542.84 | 1667.81 | 1857.55 | 2098.79 | 2431.71 | 1981.5 | 22318.70 | 2552.66 |
| कुल ऋण ( ऋण निधि) | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| कुल परिसंपत्ति | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| कर्मचारियों की संख्या | 6980 | 6801 | 6827 | 6823 | 6823 | 6734 | 6756 | 6667 | 6725 | 6577 | 6577 | 6725 |
| सवंर्धित मूल्य (सकल पडता कम करें पूंजी वसूली फैक्टर / 10:द्ध | 110.09 | 668.89 | 228.56 | 899.04 | 237.77 | 565.31 | 464.25 | 702.86 | 538.83 | 117.05 | 315.89 | 260.73 |
| अनुपात | | | | | | | | | | | | |
| ऋण /इकवीटी | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| पीबीडीआईटी/कुल नियोजन(रू.) | 250716 | 1104220 | 439432 | 1511681 | 574601 | 1087155 | 962108 | 1368922 | 1162825 | 481162 | 832842 | 767286 |
| सकल लाभ/नियोजित पूंजी : | 28.54 | 89.53 | 38.44 | 76.05 | 23.61 | 42.38 | 33.36 | 41.94 | 30.83 | 15.01 | 22.2 | 18.81 |
| षुद्व लाभ/षुद्व मूल्य : सकल पडता की संगणना;'द्ध | 18.94 | 59.04 | 25 | 50.25 | 14.86 | 27.80 | 21.17 | 27.63 | 19.96 | 8.71 | 14.23 | 11.96 |
| षुद्व लाभ | 99.51 | 479.82 | 181.28 | 663.79 | 240.42 | 466.35 | 409.10 | 588.05 | 500.64 | 198.65 | 339.82 | 320.58 |
| आयकर | 50.49 | 255.09 | 93.34 | 342.97 | 123.79 | 240.44 | 210.65 | 292.1 | 249.01 | 98.81 | 174.98 | 159.45 |
| कर पूर्व षुद्व लाभ | 150.00 | 734.91 | 274.62 | 1006.76 | 364.21 | 706.79 | 619.75 | 880.15 | 749.65 | 297.46 | 514.80 | 480.03 |
| जोडः पूर्वावधि | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| जोडः इतर सामान्य मद | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| पूर्वावधि के पूर्व लाभ | 150.00 | 734.91 | 274.62 | 1006.76 | 364.21 | 706.79 | 619.75 | 880.15 | 749.65 | 297.46 | 514.80 | 480.03 |
| जोडः ब्याज | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| सकल लाभ | 150.00 | 734.91 | 274.62 | 1006.76 | 364.21 | 706.79 | 619.75 | 880.15 | 749.65 | 297.46 | 514.80 | 480.03 |
| जोड : मूल्य ह्रास | 25.00 | 16.07 | 25.38 | 24.66 | 27.84 | 25.30 | 30.25 | 32.51 | 32.35 | 19.00 | 32.96 | 35.97 |
| विविध खर्च बट्टे खाते में | 4.12 | 5.80 | 5.00 | 0.64 | 2.00 | — | — | — | — | — | — | — |
| ब्याज,मूल्यह्रास एवं विविध खर्च के बट्टे खाते के पूर्व सकल पडता | 179.12 | 756.78 | 305.00 | 1032.06 | 394.05 | 732.09 | 650.00 | 912.66 | 782.00 | 316.46 | 547.76 | 516.00 |

अनुलग्नक–3

## समझौता ज्ञापन के तहत एचआरएम निश्पादन मूल्यांकन के लिए टेमलेट

| क्र.सं. | एचआरएम निश्पादन संकेतक | मापन–इकाई | प्रभाव | लक्ष्य मूल्यांकन | | | | वास्तविक निश्पादन | स्वयं मूल्यांकन अंक | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | उत्कृश्ट 1 | अत्युत्तम 2 | उत्तम 3 | औसत 4 | निराषजनक 5 | | |
| अ | सक्षमता एवं नेतृत्व विकास | | | | | | | | | |
| अ–1 | | | | | | | | | | |
| 1 | कुल मानव दिव पर प्रषिक्षण के लिए व्यक्ति मानव दिवस | प्रतिषत | 5 | 1.5 | 1.2 | 1.1 | 1 | 0.9 | | |
| 2 | कॅरियर योजना एवं विकास की प्रणाली के द्वारा नेतृत्व मस का किटीकल विकास | नियोजित नेतृत्व की प्रषित पूर्णता विकास कार्यक्रम (10 कर्मचारी) | 5 90 | 80 | 70 | 60 | 50 | | नेतृत्व विकास कार्यक्रम हेतु 10 कर्मचारियों को निर्धारित किया गया । | |
| 3 | कर्मचारी मूल्य के रूप में प्रषिक्षण बजट | कर्मचारी मूल्य का प्रतिषत | 5 | 0.21 | 0.20 | 0.19 | 0.18 | 0.17 | | |
| 4 | गैर कार्यपालकों के मल्टी–स्किलींग/स्किल अप ग्रेडेषन हेतु प्रषिक्षण योजना की प्रतिषत पूर्तता | प्रतिषत (90 मानव दिवस) | 5 | 100 | 95 | 90 | 85 | 80 | | 30 गैरकार्यपालकों को मल्टी स्किलींग प्रषिक्षण के लिए 3 दिनों के औसत पर योजनाबद्ध किया गया |
| अ–2 | | | | | | | | | | |
| 1 | मूल्यांकनएवं विकास केन्द्र में षामिल वरिश्ठ स्तर के कार्यपालकों का प्रतिषत | प्रतिषत (30 मानव दिवस) | 2.5 | 100 | 95 | 90 | 85 | 80 | | 3 दिनों की औसत अवधि के 10 कार्यपालकों को सम्मिलित किया गया |
| 2 | नई/उन्नत तकनीकी में प्रषिक्षण | कार्यपालकों की सं. | 2.5 | 5 | 4 | 3 | 2 | 2 | | |
| ब | निश्पादन प्रबंधन | | | | | | | | | |
| 1 | पीएमएस रेटिंग में पहुंचने वाले बेल कर्व केन्द्र कार्यान्वयनो को सुरक्षित करना निश्पादन प्रणाली के साथ | हां/नहीं | 4 | हां | | | | नहीं | | |
| 2 | कार्यपालकों के विकास योजना का लिंकेज | ह ां/नहीं | 3 | हां | | | | नहीं | | |
| 3 | पीएमएस से जुड़े हुए पीआरपी का कार्यान्वयन | हां/नहीं | 3 | हां | | | | नहीं | | |
| स | रिकूटमेंट ,रेटेन्षन एवं टेलेन्ट मैनेजमेंट | | | | | | | | | |
| 1 | वीआरएस के माध्यम से मानवबल रेषनेलीझेषन | प्रतिषत | 5 | 0.20 | 0.15 | 0.10 | 0.05 | | | |

..2कृ

..2कृ

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | कुल कर्मचारियों के प्रतिषत अनुसार एंट्रीषन | प्रतिषत5 | | 0.55 | 0.50 | 0.45 | 0.40 | 0.38 | |
| 3 | मेन्टोरषीप विकास कार्यक्रम की संख्या–मेन्टोर्स एवं मेन्टीज की संख्या | संख्या | 5 | 5 | 4 | 3 | 2 | 1 | |
| 4 | उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम,वृद्धि अवसर आदि के लिए, टेलेन्ट स्पॉन्सरिंग वरिश्ठ कार्यपालकों के प्रबंधन हेतु प्रणालियों का कार्यान्वयन एवं सूत्रीकरण | प्रतिषत (12 मानव दिवस) | 5 | 100 | 95 | 90 | 85 | 80 | विदेष में उन्नत प्रबंधक प्रषिक्षण के लिए 4 वरिश्ठ स्तर के कार्य--पालकों को निर्धारित किया जाएगा |
| ड | उत्पादकता समर्थक एवं नवीनीकरण | | | | | | | | |
| 1 | नामांकन संख्या/राश्ट्रीय पुरस्कार हेतु प्रस्तुत प्रविश्ठियां (प्रधान मंत्री श्रम अवार्ड, विष्वकर्मा राश्ट्रीय पुरस्कार | नामांकन सं./ राश्ट्रीय पुरस्कार हेतु प्रस्तुत प्रविश्टियां | 5 | 3 | 2 | 1 | | | 2 मामलें राश्ट्रीय पुरस्कार हेतु अग्रेशित किये जाएंगे |
| 2 | प्रति कर्मचारी प्रतिवर्श से मिले सुझावों की संख्या | प्रति कर्मचारी संख्या | 5 | 0.06 | 0.05 | 0.05 | 0.05 | 0.05 | 300 सुझावों को पूर्व संपादित किया गया |
| 3 | एक वर्श में हाथ में ली गई कुल गुणवत्ता सर्कल परियोजना की तुलना में पूरी की गई गुणवत्ता सर्कल परियोजना की संख्या | संख्या | 5 | 17 | 15 | 12 | 10 | 8 | |
| ई | कर्मचारी संबंध एवं कल्याण | | | | | | | | |
| 1 | षिकायत निवारण प्रणालिका प्रभाव–वर्श के दौरान प्राप्त षिकायतों का प्रतिषत | प्रतिषत निर्धारण | 4 | 100 | 90 | 80 | 70 | 60 | |
| 2 | पेंषन,मेडीकेअर तनाव पूर्ण कार्य के कारण योगा क्लासेस का तनाव कम करने हेतु निर्माण,जीम आदि जैसे स्वास्थ केन्द्र का निर्माण | कार्यक्रम संख्या | 4 | 3 | 2 | 2 | 2 | 2 | |
| 3 | कर्मचारी समाधान निरीक्षण ईएसआई (कार्यपालक एवं कर्मचारी) | प्रतिषत | 4 | 95 | 85 | 75 | 65 | 55 | |
| 4 | सामाजिक सुरक्षा योजना का सूत्रीकरण एवं कार्यान्वयन | हां/नहीं | 4 | हां | | | | नहीं | पी.एफ.,ग्रेच्युईटी फेमिली पेंषन,बेनीवेलोपमेंट वर्कमेन अनुकंपा,मॅटरनिटी मेडीकल बेनिफिट, अनुकंपा नियुक्ति |
| 5 | कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ संरचनात्मक मिटिंग की संख्या | मिटिंग की सं. | 4 | 2 | 1 | | | | |

..3कृ

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| फ | एचआर ब्रान्डिंग एवं थ्वषिश्टता–इस क्षेत्र में प्रस्तावना के लिए उपलब्धि दिखाना जैसे – | | | | | |
| 1 | एचआर पॉलिसी का पुनर्विचार | 5 | जन. 13 | फर. 13 | मार्च 13 | |
| 2 | संस्कृति भवन प्रस्तावना कार्यक्रम सं. आयोजित करते हुए | 5 | 4 | 3 | 2 | 1 |
| | कुल योग : | 100 | | | | |

.....

अनुलग्नक – 4

अनुसंधान एवं विकास निष्पादन लक्ष निर्धारण सह मूल्यांकन टेम्प्लेट

तालिका–1

| क्र.सं. | विवरण | इकाई | प्रभाव | निष्पादन लक्ष | | | | | उपलब्धि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | उत्कृष्ट | सर्वोत्तम | उत्तम | औसत | निराशाजनक | |
| 1. | कर पश्चात लाभ के प्रतिशतनुसार कुल अनुसंधान एवं विकास खर्च | प्रतिशत | 2.5 | 0.53 | 0.50 | 0.48 | 0.45 | 0.43 | |
| 2. | इस तालिका के लिए कुल स्कोर नियत कार्य बल द्वारा आबंटित किए गए स्कोर | | | | | | | | 2.5 |

तालिका–2

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डोंगरी बुजुर्ग एवं कान्द्री खान के ओवरबर्डन रॉक का अं/ग्रा खानों में स्मेकित हाईड्रोलिक स्टो–विंग के लिए तकनीकी एवं व्यावहारिक अध्ययन वीएनआईटी,नागपुर के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान (बेकार वस्तुओं का इस्तेमाल) | वीएनआईटी द्वारा अं/ग्रा खानों में समेकित स्टोविंग के लिए | 0.5 | 31 जन. 2013 | 15 फर. 2013 | 28 फर. 2013 | 15 मार्च 2013 | 31 मार्च 2013 |
| 2. | केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्था,नागपुर द्वारा कांद्री खान पर जिओ–हाईड्रोलॉजिकल जांच के साथ स्टोप कार्य की रूप रेखा (तकनीकी विकास) | सीआईएम एफआर की ओर से रिपोर्ट | 1 | 15 दिस. 2012 | 31 दिस. 2012 | 15 जन. 2013 | 31 जन. 2013 | 15 फर. 2013 |
| 3. | इंडियन स्कुल ऑफ माईन्स,धनबाद द्वारा बालाघाट खान पर अति गहरी लेवलों के लिए वेंटिलेशन नेटवर्किंग (खान पर्यावरण) | आईएसएम द्वारा वेंटि–लेशन नेट वर्किंक पर रिपोर्ट | 0.5 | 30 सित. 2012 | 31 अक्टू. 2012 | 30 नव. 2012 | 31 दिस. 2012 | 31 जन. 2013 |
| 4. | एनएमएल के सहयोग से ईएमएम के निर्माण हेतु प्लोशीट प्रकिया का विकास | एनआरएल द्वारा प्लो प्रकिया के विकास पर रिपोर्ट | 0.5 | 30 जन. 2013 | 31 फर.. 2013 | 30 फर. 2013 | 31 मार्च 2013 | 31 मार्च 2013 |

इस तालिका के लिए कुल स्कोर 2.5

नियत कार्य बल द्वारा आबंटित किए गए स्कोर

अनुसंधान एवं विकास पर कुल स्कोर 5

दोनों तालिकाओं के लिए कुल आबंटित किए गए स्कोर

परियोजना 2.1 : भूमिगत खानों में समेकित हाइड्रोलिक स्टोविंग के लिए डोंगरी बुजुर्ग एवं कान्द्री खान की दबी हुई रॉक के तकनीकी एवं संभाव्यता अध्ययन हेतु सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना ।

परियोजना : डोंगरी बुजुर्ग खान एवं कान्द्री खान की सालाना ओपन कास्ट कार्यो में ओवरबर्डन वेस्ट की भारी मात्रा संग्रहित की जाती है । डोंगरी बुजुर्ग एवं कान्द्री खान में लगभग 10776000 क्यू.मीटर एवं 3750000 क्यू. मीटर ओबी डम्पस क्रमषः उपलब्ध है । इन खानों में डम्पिंग के लिए और बड़े क्षेत्र की आवष्यकता है । कान्द्री खान स्वयं एक भूमिगत खान है तथा निकटवर्ती मनसर भूमिगत खान है । भूमिगत खान चिखला के निकटवर्ती डोंगरी बुजुर्ग खान है । वर्तमान में कंपनी की भूमिगत खानें हाइड्रोलिक सॅन्ड स्टोविंग इसतेमाल करती है तथा अन्य रेती पट्टों से रेती की पूर्ति की जाती है ।

पिछले 3 वर्शो के लिए डोंगरी एवं कान्द्री खान के उत्खनन किए गए ओवर वर्डन का विवरण नीचे दर्षाएनुसार है :–

| वर्श | उत्खनन किया गया ओ.बी. क्यू.मीटर में | |
|---|---|---|
| | डोंगरी बुजुर्ग खान | कान्द्री खान |
| 2007–08 | 1527000 | 158000 |
| 2008–09 | 1647000 | 267000 |
| 2009–10 | 1781000 | 162500 |

भूमिगत ठोस रॉक खनन में उपयोग होने वाली विभिन्न प्रकार की स्टोविंग प्रणालियां है । हाईड्रोलिक स्टोविंग पदार्थ जो, ठोस नहीं होते छेदों से पानी छोड़े जाने के प्ष्चात संहत किए जाते है । विषिश्ट पदार्थ को मिलाने से इस पदार्थ को संचित किया जा सकता है ।

डोंगरी एवं कान्द्री खान में ओवरबर्डन रॉक मुख्यतः माईका सीस्ट है । यह बहुत ही नरम प्रकार की होती है । इसकी कठोरता 2 से 2.8 तक एवं विषिश्ट घनत्व 1.8 से 2.2 जी/सीसी (सभी संदूश्यता को मिलाकर) परिवर्तित होती है । कई धातु खानों में पुराने बेकार पाईल्स (ओवरबर्डन डम्पस एवं कारखानों का कूडाकरकट) को कृषिग एवं स्क्रिनिंग करके या इसके बिना पदार्थ को भरने के लिए इस्तेमाल किया जाता है । डोंगरी एवं कान्द्री खान में बडे बड़े पुराने ओवर बर्डन डम्पस उपलब्ध है । यदि निम्न अध्ययन को उसी क्रमावस्था में मान लिया जाता है तो, यह पुराना ओवरबर्डन डमप पदार्थ को भरने का साधन हो सकता है ।

प्रथम चरण :– ओ.बी. डमप पदार्थ का भू–यांत्रिकीय अध्ययन जिसमें ग्रॅन्युलोमेट्रिक अध्ययन समाविश्ट है ।

द्वितीय चरण :– स्टोविंग की लगभग प्रणाली यदि भरने वाला पदार्थ सुविधाजनक है ।

तृतीय चरण :– प्रणाली की टेक्नो–इकॉनॉमिक्स पुराने ओबी डमप का पदार्थ के साधन के रूप में उपयोग करना निम्नलिखित फायदे है :–

1. रेती के लिए अन्य रेती पट्टों पर निर्भरता में कमी आएगी ।
2. डम्पिंग के लिए जगह में कमी आएगी ।
3. संचित भरना स्थान में स्थापित टायर एचईएमएम को चलाया जा सकेगा ।

इस प्रणाली के लाभों के देखते हुए , यह सहयोगात्मक अनुसंधान विष्वेष्वरैया राश्ट्रीय तकनीकी संस्था, खनन अभियांत्रिकी विभाग, नागपुर के साथ किया गया । उपरोक्त परियोजना के लिए विष्वेष्वरैया राश्ट्रीय तकनीकी संस्था, खनन अभियांत्रिकी विभाग, नागपुर से आयी रिपोर्ट निश्पादन संकेत है । यह रिपोर्ट 15 फरवरी 2013 को प्राप्त होने की अपेक्षा है ।

...

परियोजना 2.2 :– कान्द्री खान पर जिओ–हाईड्रोलॉजिकल जॉच के साथ स्टोप कार्य की रूपरेखा हेतु अनुसंधान परियोजना ।

परिचय :

कांद्री खान में मैंगनीज अयस्क भंडार बहुत ही भुरभुरा एवं कमजोर है (आरएमआर कमजोर श्रेणी में है) । इसके अतिरिक्त ओवर लाईंग स्टॅटा बड़ी मात्रा में पानी के साथ मिश्रित है । इस स्थिति में अं/ग्रा क्षेत्र में उत्पादकता में कमी , अतः सुरक्षा समस्या को निर्माण कर दिया है ।

अंडर ग्राउंड में मानव एवं मषीन की सुरक्षा के लिए हाइड्रोजिओलॉजिकल मानदण्डों का अध्ययन करना आवष्यक है तथा उपरोक्त आधार पर आधुनिक स्टोपिंग प्रणाली बनाई गई है । इस अध्ययन में सपोर्टिंग प्रणाली भी बनाना आवष्यक है । सीआईएमएफआर के साथ में कंपनी का काफी लंबा साथ रहा है तथा उन्होंने हमारे विभिन्न खदानों के लिए उपयुक्त स्टोपिंग प्रणाली डिझाईन की है । सीआईएमएफआर के लम्बे अनुसंधान को देखते हुए यह अनुसंधान परियोजना सीआइएमएफआर से करवाई जा रही है ।

यह परियोजना दो भाग में है :–

1. हाईड्रोजिऑलॉजिकल अध्ययन द्वारा आंतरिक डाटा जमा करना ।
2. कांद्री खान पर इस जमा किये गए डाटा के आधार पर स्टोपिंग प्रणाली डिझाईन करना ।

कांद्री खान पर अं/ग्रा प्रचालन की सुरक्षा एवं उत्पादकता के महत्व को देखते हुए यह अध्ययन कान्द्री खान के लिए आधुनिक स्टोपिंग प्रणाली स्थापित करेगी । उपरोक्त परियोजना के लिए सी आई एम एफ आर, नागपुर की रिपोर्ट संकेतक होगी । यह रिपोर्ट 31 दिसम्बर 2012 तक मिलना अपेक्षित है ।

परियोजना 2.3 :– बालाघाट खान पर गहरे स्थल तक वेन्टीलेषन नेटवर्क परियोजना पर अनुसंधान ।

परिचय :

वर्तमान में बालाघाट खान पर दो वर्टिकल षाप्ट है । वर्तमान उत्पादन का लेवल 10, 11, 12 लेवलों तक है । 12 लेवल से नीचे लेवलों का अन्तराल 30 मीटर से 45 मीटर तक बढ़ाया गया है । इन दो वर्टिकल षाप्ट के अलावा भविश्य में एक उच्च गति का षाप्ट भी प्रारंभ किया जाएगा । यह अं/ग्रा में हवा का प्रवाह बढ़ाएगा , इसके अलावा लेवल अन्तराल बढ़ाने के कारण हवा के प्रवाह का दबाव बढ़ेगा । अं/ग्रा में संतोश जनक कार्य स्थिति के लिए इंडियन स्कुल ऑफ माईन्स, धनबाद के साथ बालाघाट खान में वेंटिलेषन नेटवर्किंग परियोजना का काम हाथ में लिया गया है । मौसम में परिवर्तन के कारण नैसर्गिक वेंटिलेषन का सहयोग होता है । अतः गहरे लेवल में वास्तविक नेटवर्किंग के लिए षीत एवं ग्रीश्मकाल में मापन का काम हाथ में लिया जाएगा ।

इस अध्ययन से अं/ग्रा के गहरे तल के संतोशजनक स्थिति में सुधार करने में अवष्य मदत होगी तथा उत्पादकता में भी वृद्वि होगी । आई एस एम, धनबाद की रिपोर्ट उपरोक्त परियोजना के निश्पादन का संकेतक है । 31 अक्टूबंर 2012 तक रिपोर्ट मिलना अपेक्षित है ।

.....

| निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व की समीक्षा का टेम्पलेट<br>तक्ता–1<br>5 चुनी हुई परियोजना का विवरण | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| कम | परियोजना का नाम | प्रारंभ तिथि | समाप्ति की तिथि | वर्षवार ब्यौरे के साथ आवंटित राशि | आवश्यक मूल्यांकन / बेस लाईन सर्वे की समाप्ति की तिथि एवं एजेंसी का नाम | लागू करने वाली एजेंसी का नाम एवं नियुक्ति तिथि | दस्तावेजीकरण एवं डेसिमिनेशन पर खर्च की गई राशि तथा नियुक्त एजेंसी का नाम | मॉनिटर करने वाली एजेंसी का नाम | मूल्यांकन रिपोर्ट का संक्षिप्त विवरण (अलग पर्ची जोड़े) |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 1. | ग्राम–सीता सावंगी, जि–भंडारा, म.रा. में डीएवी पब्लिक स्कूल का निर्माण | दिस. 2011 | मार्च, 2013 | अनुबंध–। में संलग्न | मई,2010 बेसलाईन सर्वे एवं आवश्यक मूल्यांकन मॉयल एवं डीएवी अधिकारी के साथ संयुक्त रूप से | मेसर्स माना कंस्ट्रक्शन नागपुर | रू. 15 लाख रिनायसंस प्लानर एण्ड इंजी. प्रा.लि., नागपुर | मॉयल | अनुबंध–। में संलग्न |
| 2. | जीवन को रोशनी–मॉयल की नागपुर एवं भंडारा जिले के आसपास स्थित ग्रामीण समुदाय के दृष्टिदोष एवं अंधत्व दोष के उन्मूलन हेतु परियोजना | अप्रैल 2012 | मार्च 2017 | अनुबंध–2 में संलग्न | अगस्त,2011 बेसलाईन सर्वे एवं आवश्यक मूल्यांकन सुरज आई इंस्टिट्यूट नागपुर द्वारा | सुरज आई इंस्टिट्यूट नागपुर | शून्य | सुरज आई इंस्टिट्यूट नागपुर | अनुबंध–2 में संलग्न |
| 3. | मॉयल की खदानों के नजदीकी क्षेत्र के गांवों में इंडिया मार्क–।। हैण्डपंप की पूर्ति एवं स्थापना | अप्रैल 2012 | मार्च 2013 | 2012–13 में ही 30 लाख रूपये खर्च करना | जनवरी,2012 बेसलाईन सर्वे एवं आवश्यक मूल्यांकन राज्य सरकार एजेंसी द्वारा | मूल्यांकन के बाद नियुक्ति | | मॉयल | अनुबंध–3 में संलग्न |

| निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व की समीक्षा का टेम्पलेट<br>तक्ता–1 | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 चुनी हुई परियोजना का विवरण | | | | | | | | | |
| कम | परियोजना का नाम | प्रारंभ तिथि | समाप्ति की तिथि | वर्षवार ब्यौरे के साथ आवंटित राशि | आवश्यक मूल्यांकन / बेस लाईन सर्वे की समाप्ति की तिथि एवं एजेंसी का नाम | लागू करने वाली एजेंसी का नाम एवं नियुक्ति तिथि | दस्तावेजीकरण एवं डेसिमिनेशन पर खर्च की गई राशि तथा नियुक्त एजेंसी का नाम | मॉनिटर करने वाली एजेंसी का नाम | मूल्यांकन रिपोर्ट का संक्षिप्त विवरण (अलग पर्ची जोड़े) |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 4. | ग्राम सीतासावंगी, जि.भंडारा,म.रा. के लिए पहूंच मार्ग का निर्माण | अक्तुबर 2012 | मार्च,2014 | कुल लागत 100 लाख 2012–13 50 लाख 2013–14 50 लाख | जन. 2012 बेसलाईन सर्वे एवं आवश्यक मूल्यांकन मॉयल एवं जिला प्रशासन के सहयोग से | मूल्यांकन के बाद नियुक्ति | शून्य | मॉयल | अनुबंध–4 में संलग्न |
| 5. | हिल टॉप गंदी बस्ती, नागपुर में साक्षरता पार्क विकसित करना | अप्रैल, 2012 | जून, 2013 | कुल लागत 80 लाख 2012–13 में 60 लाख व 2013–14 में 20 लाख | अक्तुबर 2011 बेसलाईन सर्वे एवं आवश्यक मूल्यांकन मॉयल एवं नागपुर म.न. पा. एवं मेसर्स रानडे एण्ड रानडे आर्किटेक्ट,नागपुर के सहयोग से | प्रतिस्पर्धा बोली प्रकिया के माध्यम से नियुक्ति | रू. 2.00 लाख | मॉयल | अनुबंध–5 में संलग्न |
| 6. | कम से कम 3 स्वयं सहायता ग्रूप के लिए महिला सशक्तिकरण हेतु महिला साक्षरता एवं कौशल्य विकास | 1.6.12 | 31.3.13 | 5 लाख | मॉयल लिमिटेड | श्रिष्टि महिला स्वयं राजगार प्रकाशन केन्द्र 15.4.12 | रू. 10 हजार | मॉयल | |

अनुबंध–1

## ग्राम सीतासावंगी,जिला–भंडारा, महाराष्ट्र में डीएव्ही पब्लिक स्कूल का निर्माण

ग्रामीण जनता के लिए शिक्षा प्रदान करना मॉयल के निगमित सामाजिक जिम्मेदारी का एक महत्वपूर्ण पहलू है। इस उद्देश्य का अनुसरन करते हुए अपनी खदानों के आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले अनेक कार्य कर रही है। जिसके कारण इस दुरस्थ क्षेत्र में रहनेवाले बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल रही है। यद्यपि कुछ कठिनाईयां गांवों में जैसे चिखला, डोंगरी बुजूर्ग एवं तिरोडी खान जहां अच्छे स्कूलों का अभाव है। बच्चों को अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के लिए रोज नजदीक के नगरों में जाना पड़ता है। जिस कारण बच्चों पर अत्यधिक दबाव पैदा होता है और काफी संख्या में इन गांवों के बच्चों को अत्यधिक कठिनाई महसूस होती है। गुणवत्तापूर्ण, सहनीय एवं आसानी से शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करने हेतु यह महसूस किया गया कि गांव में एक अच्छी प्रतिष्ठित स्कूल की स्थापना की जाए और वह स्थान सीतासावंगी हो, कारण वह स्थान सभी तीनों खदानों तथा आसपास के गांवों के लिए शिक्षा प्रदान करने हेतु आदर्श स्थान होगा।

इस सम्बन्ध में पूर्व में कम्पनी ने डीएवी संस्था के साथ संपर्क स्थापित किया था। यह वह संस्था है, जो सम्पूर्ण देश में 600 संस्थाओं का संचालन कर रही है तथा उसे अच्छी प्रतिष्ठा प्राप्त है। इसके अलावा डीएवी संस्था गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए जानी जाती है तथा उनकी संस्थाएं अधिकतर परियोजना स्थल में विद्यमान है। यह संस्थाएं पेशेवरों द्वारा चलाई जाती है तथा उसका परिणाम अतिउत्कृष्ट है तथा उन्होंने खेलकूद, कला इत्यादि क्षेत्रों में सराहनीय परिणाम लाए हैं। कम्पनी ने डीएवी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं तथा मई 2010 में निदेशक मण्डल की स्वीकृति प्राप्त करने के पश्चात स्कूल की स्थापना करने का कार्य प्रारंभ कर दिया है। कार्य प्रगति पर है। स्कूल आधुनिक सुविधाओं के साथ एक विशाल परिसर में स्थापित होगा वह नविनतम प्रयोगशाला, संगणक एवं अन्य शैक्षणिक उपकरणों से सुसज्जित होगा। इस स्कूल में गुणवंत शिक्षकगण होंगे तथा सी.बी.एस.ई. प्रणाली लागू रहेगी। इस दूरस्थ क्षेत्र में शिक्षा की रोशनी फैलाते हुए डीएवी कॉलेज प्रबंधन समिति स्वतंत्र तौर पर इस स्कूल का संचालन करेगी।

### परियोजना का वर्षवार खर्च का ब्यौरा

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. | स्कुल इमारत निर्माण, उपकरण, अन्य साधन को मिलाते हुए कुल लागत | रू. 800.00 लाख | | |
| 2. | वर्षवार ब्यौरा | 2011–12 | 2012–13 | 2013–14 |
| | राशि लाख में | 100.00 | 250.00 | 450.00 |

अनुबंध–2

## जीवन को रोशन–मॅायल की महाराष्ट्र राज्य की नागपुर एवं भंडारा जिले के आसपास के ग्रामीण समुदाय में दृष्टि अपंगत्व एवं दृष्टिहीनता का उन्मूलन करना।

जीवन को रोशनी यह परियोजना का उद्देश्य मॅायल की खदानों के आसपास के ग्रामीण समुदायों में दृष्टिहीनका का उन्मूलन करने के लिए जागरूकता पैदा करने का लगातार प्रयास है। उद्देश्य के अनुसार इस परियोजना को अविकसित और सुखाप्रवण देहात क्षेत्रों में दृष्टिहीनता को कम करने के लिए वर्तमान स्वास्थ्य प्रणाली को और अधिक मजबूत करना है तथा कम लागत के साथ लगातार प्रयास करते रहना है। यह परियोजना दृष्टिहीनता को नियंत्रित करने के राष्ट्रीय कार्यकम के अनुकूल भी है। इस परियोजना के द्वारा नागपुर एव भंडारा जिले के मुख्यतः ग्रामीण एवं आदिवासी लोगों के मध्य लगातार पर्यवेक्षण के साथ नियंत्रित, गुणवत्तापूर्ण वातावरण के साथ सस्ती नेत्र चिकित्सा प्राप्त होगी।

इस परियोजना का अर्थ यह है कि नेत्र चिकित्सा की धारणा में वृध्दि एवं मूल्यवर्ध्दन करना तथा दीर्घकालीन जागरूकता का प्रभाव पैदा कर के दृष्टिदोष, मोतियाबिंद, ग्लूकोमा, मधुमेह एवं कार्नियां संबंधित समस्या में बहुअनुशासन, बहुआयामी पिरामिडल नेत्र चिकित्सा प्रणाली, जिसमें दृष्टिकेंद्र, टेलीआथ्थाल्मोलॅाजी सुविधाओ से सुसज्जित चलित वाहन एवं बुनियादी अस्पताल में नेत्र चिकित्सा सुविधा का समावेश है। इनसे सेवा करना ।

यह परियोजना सूरज आई इंस्टिट्यूट के द्वारा की जाएगी, जो एक गैर लाभ फाउंडेशन है तथा जो दृष्टिहीनता को नियंत्रित करने के लिए नागपुर एवं भंडारा के क्षेत्रों में पिछले एक दशक से तथा मॅायल के साथ तीन वर्षों से कार्यरत है।

### परियोजना का वर्षवार खर्चे का ब्यौरा

| कम | विवरण | 2012–13 | 2013–14 | 2014–15 | 2015–16 | 2016–17 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | वहन एवं उपकरण | 54.87 | – | – | – | – |
| 2. | मोतियाबिंद शल्यकिया | 22.50 | 22.50 | 40.00 | 40.00 | 62.50 |
| 3. | बाल शल्यचिकित्सा | 5.63 | 5.62 | 8.50 | 8.50 | 9.50 |
| 4. | दृष्टिदोष के लिए चष्मा | 6.25 | 6.25 | 9.00 | 9.00 | 12.25 |
| कुल | | 89.25 | 34.37 | 57.50 | 57.50 | 84.25 |
| सकल योग | | 322.87 लाख रूपये | | | | |

अनुबंध–3

## मॅायल की खदानों के आसपास के क्षेत्रों के सुदूर गांवों में इंडिया मार्क–2 हैण्डपम्प की पूर्ति करना एवं स्थापित करना

मॅायल का प्रचालन कार्य मध्य भारत में सीमित है विशेषतः महाराष्ट्र के नागपुर एवं भंडारा जिले एवं समीपस्थ मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में। बारहमासी जलस्त्रोत की कमी के कारण यह क्षेत्र सुखा एवं भारी जल की कमी का क्षेत्र माना जाता है, विशेषतः ग्रीष्म ऋतु के गर्म महीनों में। अतएव कम्पनी का लम्बे समय से यह प्रयास रहा है कि जलपूर्ति योजना, हैण्डपम्प के द्वारा न केवल कम्पनी के कर्मचारियों को बल्कि उपरोक्त तीन जिलों के गावों को पेयजल की पूर्ति करना। हालांकि कई गांवों में भी पेयजल की आवश्यकता है, अतएव कम्पनी यह प्रयास कर रही है कि हैण्डपम्प लगाकर इन जरूरतमंद गांवों में निगमित सामाजिक जिम्मेदारी के तहत पेयजल की पूर्ति कर रही है। स्थानीय ग्राम पंचायतों, राज्य सरकार की एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करके इन परियोजनाओं का निष्पादन किया जाएगा।

### परियोजना का वर्षवार ब्यौरा

वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान ही इस परियोजना के लिए कुल अनुमानित लागत लगभग 30 लाख रूपये होगी।

## महाराष्ट्र के भंडारा जिले के सीतासावंगी गांव में पहूंच मार्ग का निर्माण

जैसा कि पहले कहा गया है, कि मॅायल की खदाने सुदूर क्षेत्र में स्थित है, जहां कई गांवों मे पहूंच मार्ग या तो नहीं है या है भी तो खराब स्थिति में है। इन ग्रामों में रहनेवाले लोग अपने रोजमर्रा के आवश्यकताओं के लिए नजदीकी नगरों में जाने के लिए/मुख्य मार्ग पर पहुंचने के लिए अत्याधि कठिनाई का सामना कर रहे हैं। वर्षा ऋतु में यह और भी कठिनाईभरा हो जाता है, जब ये पहूंच रास्ते बाढ़ से भर जाते हैं और सारा गांव मुख्य मार्ग से कट जाता है। इन खराब रास्तों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए कम्पनी डामर रोड/सीमेंट कांकिट रोड, पूलों का कई स्थानों पर निर्माण कर रही है जिसकी स्थानीय लोगों के द्वारा सराहना की गई है। इस अच्छे कार्य को जारी रखते हुए यह प्रस्तावित किया जाता है कि भंडारा जिले के सीतासावंगी गांव में पहूंच रोड का निर्माण किया जाए। इस रोड की कुल लम्बाई डेढ़ कि.मी. तथा चौड़ाई 3.5 मिटर होगी। इस परियोजना में पूल, बाजू की नाली एवं पथदीप मिलाकर 1.5 कि.मी. की लम्बाई होगी। प्रतिस्पर्ध्दा बोली के माध्यम से इस परियोजना का कार्य दो वर्षों क अंदर पूर्ण किया जाएगा।

### परियोजना का वर्षवार खर्च का ब्यौरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | भंडारा जिले के सीतासावंगी गांव में कलवर्ट, बाजू की नाली एवं पथदीप के साथ 1.5 कि.मी. लम्बा डामर रोड परियोजना की कुल लागत | 100.00 लाख | |
| 2. | वर्षवार ब्यौरा | 2012–13 | 2013–14 |
| | राशि रूपये लाख में | 50.00 | 50.00 |

अनुबंध–4

## नागपुर में हिल टॉप, गंदी बस्ती क्षेत्र में साक्षरता पार्क विकसित करना

मॉयल का कार्पोरेट मुख्यालय नागपुर में स्थित है। इससे पहले नागपुर में कंपनी ने अनेक निगमित सामाजिक परियोजना का काम जैसे चिकित्सा शिबीर, मुफ्त मोतियाबिंदू शल्यकिया, हरियाली विकास, बायोडायवर्सिटी पार्क की स्थापना के कार्य। इस से पूर्व कंपनी को अंबाझरी क्षेत्र के पार्षद द्वारा गंदी बस्ती के लोगों के लिए विकास के कार्य एवं साक्षरता पार्क स्थापित करने का अनुरोध प्राप्त हुआ था। यह सत्य है कि भारत के बड़े शहरों में गंदी बस्ती एक अभिन्न अंग है तथा नागपुर उसका अपवाद नहीं है। गंदी बस्ती में रहने वाले लोगों को कई नागरी सुविधाए उपलब्ध नहीं है तथा वहां रहने वाले बच्चों को खेलने एवं अन्य गतिविधियों के लिए खुला स्थान उपलब्ध नहीं है। इन लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में लेते हुए चिल्ड्रन पार्क–सह–खेल मैदान तथा थीम पार्क, जहां विभिन्न शैक्षिक भित्ती चित्र होंगे, का निर्माण करने के प्रस्ताव की जांच की गई। यह पार्क न केवल खेलकूद का मैदान होगा, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों को ताजी हवा प्रदान करेंगा साथ ही बच्चों को ज्ञान प्राप्ति में सहायक होगा। यह पार्क जब बन कर तैयार होगा तो न केवल इस मलीन बस्ती का चेहरे का स्वरूप बदल जाएगा, बल्कि वहां रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में भी वृध्दि होगी। इस परियोजना की कुल लागत 80 लाख रूपये होगी तथा स्थानीय कार्पोरेटर एवं नागपुर महानगरपालिका के साथ समन्वय किया जाएगा। प्रतिस्पर्धा बोली के द्वारा परियोजना का निष्पादन किया जाएगा।

### परियोजना का वर्षवार खर्च का ब्यौरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | नागपुर में हिल टॉप गंदी बस्ती में साक्षरता पार्क का विकास | 80.00 लाख | |
| 2. | वर्षवार ब्यौरा | 2012–13 | 2013–14 |
| | राशि रूपये लाख में | 40.00 | 40.00 |

अनुलग्नक–6

एस.डी. निष्पादन लक्ष्य–सह मूल्यांकन टेम्पलेट

| कम | गतिविधि | |
|---|---|---|
| 1. | क्या मण्डल द्वारा विशिष्ट एस.डी.प्लान एवं बजट स्वीकृत किया गया है या उसकी पदस्थ समिति | हॉ / ना<br><br>मण्डल प्रस्ताव का क. एवं तिथि |

तक्ता–1

एस.डी.समिति विवरण

| मण्डल स्तरीय पदनामित समिति का नाम | मण्डल स्तरीय पदनामित समिति का अध्यक्ष | नियमित की गई सभाओं की संख्या | वर्ष के दौरान प्रमुख निर्णय |
|---|---|---|---|
| 1. | 2 | 3 | 4 |
| इस टेबल के लिए कुल अंक<br>टास्क फोर्स द्वारा आवंटित | | | 0.5 |

टेबल–2

कुल एस.डी.खर्च पी.ए.टी. का प्रतिशत

| पी.ए.टी. का प्रतिशत पर लक्षित मूल्य | कुल खर्च रू. लाख में | कर पश्चात लाभ | |
|---|---|---|---|
| | | पिछला वित्तीय वर्ष रू. लाख में | पी.ए.टी. पर वास्तविक खर्च |
| उत्कृष्ट – 0.27 प्र.श. | 119.35 | | |
| अति उत्तम – 0.26प्र.श. | 107.00 | | |
| उत्तम – 0.25 प्र.श. | 95.65 | | |
| सामान्य – 0.23 प्र.श. | 83.30 | | |
| खराब – 0.22 प्र.श. | 71.95 | | |
| इस टेबल के लिए कुल अंक | 1.00 | 33982 | |
| टास्क फोर्स द्वारा आवंटित अंक | | | |

तालिका–3

एस.डी. परियोजना

| कम | अनुसूचि ए./बी. | परियोजना /गतिविधि | निष्पा–दन संकेतक | परियोजना/ गतिविधि पर कुल खर्च रूपये लाख में | वेटेज | अवधि एस/ एम/ एल | निर्धारित लक्ष्य | | | | | वास्तविक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | उत्कृष्ट | अति उत्तम | उत्तम | सामान्य | खराब | |
| 1. | अनुसूचि–ए | सामाजिक वनीकरण के माध्यम से वनरोपण | जीवित पेड़ों का प्रतिशत | 70.00 | 1.00 | | 80 | 70 | 60 | 50 | 40 | |
| 2. | अनुसूचि–ए | खान कॉलोनियों के क्वार्टरो में वर्षा जल संचयन की स्थापना | 200 क्वार्टर का समावेश | 30.00 | 0.5 | | 32 | 30 | 29 | 27 | 26 | |
| 3. | अनुसूचि–ए | एक आदर्श गांव में चारा एवं इंधन के द्वारा जैवविविध पार्क | | 3.00 | 0.5 | | 3.15 | 3 | 2.85 | 2.70 | 2.55 | |
| 4. | अनुसूचि –बी | कुल अधिकारियों को सतत विकास पर प्रशिक्षण/ कार्यशाला | कुल अधिका रियों से 2 प्र.श. अधिकारी | 4.00 | 0.5 | | 4.20 | 4 | 3.8 | 3.60 | 3.4 | |
| | इस टेबल पर कुल अंक<br><br>टास्क फोर्स द्वारा आवंटित अंक | | | 107.00 | 2.50 | | 119.35 | 107.00 | 95.65 | 83.30 | 71.95 | |

तक्तस–4

परियोजना का मूल्यांकन

| स्वतंत्र बाहरी एजेंसी/विशेषज्ञ/सलाहकार इत्यादि के द्वारा मूल्यांकित परियोजना की संख्या | |
|---|---|
| इस टेबल के लिए कुल अंक | 0.5 |
| टास्क फोर्स द्वारा आवंटित अंक | |

तक्ता–5

एस.डी. निष्पादन रिपोर्ट का प्रकाशन

| गतिविधि | हॉ/नहीं | एस.डी. रिपोर्ट का तरीका (यदि रिपोर्ट किया गया है तो यह एकल रिपोर्ट है अथवा वार्षिक रिपोर्ट का भाग) |
|---|---|---|
| एस.डी. परफारमंस रिपोर्ट | | |
| इस टेबल के लिए कुल अंक<br>टास्क फोर्स द्वारा आवंटित अंक | | 0.5 |

सतत विकास

यह शब्द ब्रंटलैण्ड कमीशन द्वारा उपयोग में लाया गया था, जो सतत विकास की परिभाषा के लिए अक्सर उद्धृत किया जाता है जो "भविष्य की पीढ़ियों के लिए अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करती है।"

सतत विकास संसाधनों का उपयोग करने के प्रणाली यह है कि जो पर्यावरण का संरक्षण करते समय मानवीय आवश्यकताओं के लक्ष्य को पूर्ण करती है ताकि यह आवश्यकताएं न केवल वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करें, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की भी आवश्यकताएं पूरी करें।

1987 में संयुक्त राष्ट्रसंघ ने ब्रंटलैण्ड रिपोर्ट जारी किया, जिसमें अत्यधिक व्यापक मान्यताप्राप्त परिभाषा शामिल है।

सतत विकास के लिए विकसनशील देशों पर सीमा निर्धारित की गई है जबकि वर्तमान पहली दुनिया के देश अपने विकास के दौरान काफी प्रदुषित है, वे ही देश तीसरी दुनिया के देशों के प्रदुषण को कम करने के लिए उनके विकास को बाधित करते हैं जिससे विकास में बाधा पहुंचती है। कुछ लोगों का विचार यह है कि सतत विकास का अर्थ पूर्व आधुनिक जीवनशैली में वापस जाना है।

सतत विकास के क्षेत्र मोटे तौर पर चार घटकों में विभाजित किए जा सकते है।

1. पर्यावरण स्थिरता
2. आर्थिक स्थितरता
3. सामाजिक–राजनीतिक स्थितरता
4. सांस्कृतिक स्थिरता

सतत विकास के क्षेत्र में मॅायल की भूमिका :

वर्तमान में राष्ट्रीय पर्यावरण प्रबंधन में राष्ट्रीय वन नीति 1988, राष्ट्रीय संरक्षण रणनीति तथा पर्यावरण एवं विकास नीति पर वक्तव्य, प्रदूषण की कमी पर नीति वक्तव्य 1992, का समावेश है।

इन नीतियों को सतत विकास के विशिष्ट संदर्भों में तथा आवश्यक रणनीति बनाने में तथा उसे लागू करने की आवश्यकता की मान्यता दी गई है। मॅायल लिमिटेड ने पर्यावरण संरक्षण/बहाली तथा अपने विभिन्न खदानों पर प्रदूषण नियंत्रण एवं अयस्क प्रकिया संयंत्रों के लिए विभिन्न उपाय किए हैं, जो नीचे दर्शाए अनुसार है :–

1. बड़े डायमिटर के ड्रिलिंग उपकरणों में स्वयंचलित गिली ड्रिलिंग का प्रावधान।
2. एफ्ल्यूएंट ट्रिटमेंट प्लांट (ईटीपी) तथा धूल संग्रह प्रणाली की स्थापना।
3. सड़कों पर पानी छिड़कांव, भूमिगत पानी के निर्वहन के लिए तलछट टंकी, ऑपरेटर द्वारा पी.पी.ई. का उपयोग।
4. गैर इलेक्ट्रिक विस्फोट प्रणाली के द्वारा विस्फोट नियंत्रण।

5. वनीकरण : खानों और आवासीय कॉलोनी के चारों ओर धूल और शोर को अवशोषित करने के लिए हरियाली प्रदान करना।
6. देवास जिला, मध्य प्रदेश की नागदा एवं रातेड़ी में प्रदूषण कम करने एवं पारंपरिक उर्जा को बचाने के लिए 20 मेगावाट क्षमता का पवन उर्जा संयंत्र स्थापित किया गया। यह स्वच्छ प्राद्योगिकी विकास मेकॅनिझम की दिशा में एक समारात्मक कदम है।
7. वर्षा जल संचयन :– मॉयल प्रबंधन ने वर्षा जल के जलदायी स्तर तक पहुंचने के पूर्व पुनर्उपयोग करने की दिशा में कार्य आरंभ किया है। घरों की छतों पर वर्षा जल एकत्रित किया जाता है तथा भूमिगत जल स्तर और हरियाली में वृध्दि के लिए यह एक महत्वपूर्ण योगदान है।
8. अपशिष्ट डम्प प्रबंधन :– जैव विविधता के लिए मॉयल ने राष्ट्रीय पर्यावरण इंजिनिअरिंग अनुसंधान संस्थान के सहयोग से विभिन्न परियोजनाओं पर कार्य आरंभ किया है।

उपरोक्त के अलावा समुदाय के दीर्घकालिक लाभ के लिए पर्यावरण की रक्षा करने के लिए सतत आर्थिक विकास की आवश्यकता को मान्य किया है। कंपनी अपने सामान्य व्यवहार में पर्यावरण की जिम्मेदारी को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबध्द है।

4 आर. मॉयल का अभ्यास

कम करना : प्राकृतिक संसाधनों तथा प्रदूषण की खपत को कम करने हेतु नविनतम तकनीकों का प्रयोग।

पुनर्भरन : कर्मचारियों को प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन के माध्यम से मानव संसाधन के कौशल्य का उन्नयन करना तथा इच्छूक पक्षों को पर्यावरण प्रणाली और उद्देश्यों को बढ़ाने के लिए प्रेरित करना।

रिसायकल : उचित प्रकिया का प्रयोग करके अपशिष्ट सामग्री का पुनर्उपयोग करना।

पुनर्उपयोग : जल संग्रह योजना के माध्यम से बर्बाद/वर्षा जल का उपयोग करने के लिए वचनबध्द है।

सतत विकास के लिए वित्तीय वर्ष 2012–13 में हाथ में लिए जाने वाली परियोजनाएं

वर्षा जल संचयन : जल पृथ्वी पर सभी जीवों का स्त्रोत है और यह हमारे पर्यावरण के तीन प्रमुख घटकों का एक भाग है। कुंओं के द्वारा तथा बोरवेल के द्वारा भूजल का शोषण ने पानी की उपलब्धता के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है। जल के जलदायी स्तर तक पहुंचने के पूर्व पुनः उपयोग के लिए पानी का भंडारण करना वर्षा जल संचयन है। यह पेयजल, अन्य विशिष्ट उपयोगों के साथ साथ जीवन के लिए उसका उपयोग किया जाता है। खनन कॉलोनियों के घरों के छतों पर बारिश का पानी का संचयन करना विभिन्न प्रयोजनों के लिए महत्वपूर्ण योगदान करता है। यह भूमिगत जल स्तर को पूरक है तथा हरियाली का बढ़ाता है।

योजना का लक्ष्य और उद्देश्य :–

1. किस्टलीय रॉक इलाके में वर्षा जल संचयन के माध्यम से भूजल के कृत्रिम पुनर्भरण की व्यवहार्यता की जांच
2. क्षेत्र में भूजल भंडारण में सुधार ।
3. रिचार्जिंग के दौरान अपशिष्ट नष्ट करके भूजल की गुणवत्ता में सुधार।

वर्षा जल संचयन की पध्दति :

गटर और पाईप की व्यवस्था के माध्यम से वर्षा जल के संचयन प्रणाली का संचालन। शुष्क मौसम के बाद वर्षा जल के पहले प्रवाह को गंदगी में जाने दिया जाता है, कारण उसमें धूल, पंछियों के बिट इत्यादि रहते है। छत का गटर बड़े प्रवाह के लिए बड़ा रखा जाता है। संग्रहण टैंक मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए तथा बाष्पीकरण नुकसान, संदुषण, जंतुविकास को रोकने के लिए ढांका जाता है। वर्षा जल संचयन के नियमित रखरखाव और प्रणाली को स्वच्छ रखने के लिए सफाई की आवश्यकता है।

भूजल पूनर्भरण :

भूजल पुनर्भरण के लिए वर्षा जल का उपयोग किया जाता है जहां भूजल का संग्रहण तथा अवशोषण भूजल के लिए होता है। बारिश का पानी नापदान में संग्रहित किया जाता है।

2012–2013 के लिए वर्षा जल संचयन परियोजनाएं :

मॉयल की विभिन्न खदानों में वर्ष 2012–2013 की कालावधि के लिए कुल 200 क्वाटर्स को लिया गया है।

औसत वर्षा :

मॉयल की विभिन्न खदानों में वर्षा का औसत 600 एम.एम. से 850 एम.एम. प्रति वर्ष है।

कुल परियोजना लागत :

वर्षा जल संचयन योजना 2012–13 के अंतर्गत कुल 50 ब्लॉक लिए गए है और एक ब्लॉक में 4 क्वार्टर है।

सोक पीट तथा चार्ज पीट बनाना है। चार्ज पीट में भराई सामग्री रेत, बजरी, बोल्डर, ईंट, छिद्रित पट्टियां, मच्छर जाली से आच्छादित स्लैब से ढंका होगा। प्रत्येक ब्लॉक के लिए अनुमानित लागत राशि 60000/– रूपये तथा कुल 50 ब्लाकों के लिए तीस लाख रूपये की लागत लगेगी।

परियोजना को पूर्ण होने की समयावधि :

वर्ष 2012–13 के अंदर परियोजना पूर्ण हो जावेगी।

सतत विकास के लिए वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान हाथ में ली जानेवाली परियोजना

वनीकरण–सक्षिप्त विवरण :

भारत एक बड़ा विकासशील देश है जो अपनी विभिन्न वनपरिस्थितियों तथा विशाल जैव विविधता के लिए जाना जाता है। भारत में वनपरितंत्रों में जैवविविधता जलसंरक्षण और स्वदेशी एवं ग्रामीण समुदायों की आजीविका महत्वपूर्ण है। यू.एन.एफ.सी.सी.सी. के लिए भारत सरकार के राष्ट्रीय संचार ने रिपोर्ट दिया है कि वनक्षेत्र में सी.ओ.2 का उत्सर्जन मामूली है। भारत ने वन को लक्ष्य करते हुए तथा जैव विविधता संवर्धन, वनीकरण एवं पुनर्वनीकरण के लिए अनेक नीतियां व कार्यकम लागू किए हैं। इसके अलावा भारत का लक्ष्य है कि 2012 तक एक तिहाई भौगोलिक क्षेत्र को वन एवं पेड़ों के अंतर्गत लाना है। सभी वन नीतियां एवं कार्यकम कार्बन सिंक एवं वन प्रबंधन के लिए निहितार्थ है।

मॉयल में वनरोपन : मॉयल ने संबंधित क्षेत्रों के विभागीय वन अधिकारियों (सामाजिक वनीकरण) के साथ परामर्श करके, मिट्टी कटाव रोकना, खननित क्षेत्र का पुनर्विकास, जलग्रहण क्षेत्र एवं धाराप्रवाह तथा टाउनशीप क्षेत्र के सौंदर्य के लिए, सुधार का लक्ष्य, जैसे परियोजना एवं आवासीय क्षेत्र के आसपास की घनता में वृध्दि, अपशिष्ट भूमि का कटाव रोकना तथा फालतू डम्प का वनीकरण करने का योजनाबध्द कार्य प्रारंभ किया है।

उद्देश्य : निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति के लिए विशेष पर्यावरण नीति तैयार की गई है :–

1. उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने/प्रेरित करने के लिए काम का वातावरण तैयार करना।
2. कर्मचारी के लिए आनंद और शांतिपूर्ण रहवासी माहौल तैयार करना।
3. सुरक्षित एवं वैज्ञानिक खनन तथा अन्य अभियांत्रिक प्रणालियों को प्रोत्साहित करना।
4. कर्मचारियों एवं आसपास की आबादी में स्वीकार्य पर्यावरण प्रकिया को अपनाने तथा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले बातों को रोकने तथा कम से कम प्रदूषण करने के प्रति जागरूकता निर्माण करना।
5. घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपने सुधारित उत्पाद के लिए "इको लेबल" स्थापित करना।
6. सतत विकास की ओर तेजी से बढ़ने के लिए कर्मचारी एवं स्थानीय ग्रामिणों के मध्य सामुदायिक समरसता एवं शांति लाना।
7. अपने पट्टा क्षेत्र में वनभूमि का सार्थक उपयोग करना।
8. खनन की गई भूमि की पुनर्बहाली करना।

वर्ष 2012–13 के लिए वनीकरण परियोजनाएं :

मॉयल की खदानों में वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान फेंसिंग के साथ 40,000 पौधों का रोपण करना।
वनीकरण की कुल लागत : फेंसिंग एवं रखरखाव के साथ 40000 पौधों के वनीकरण के लिए लगभग 50 लाख रू. की लागत होगी।

समयावधि : परियोजना वर्ष 2012–13 के अंदर पूर्ण होगी।

वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान सतत विकास के लिए हाथ में ली जाने वाली परियोजनाएं

सतत विकास पर गैरकार्यपालकों को प्रशिक्षण :

संसाधनों का उपयोग करना सतत विकास की पध्दति है जो पर्यावरण संरक्षण करते वक्त मानव आवश्यकताओं के लक्ष्यों की पूर्ति करता है, ताकि वर्तमान आवश्यकताओं की ही पूर्ति न हो, बल्कि आनेवाली पीढ़ियों की भी आवश्यकताएं पूर्ण हो। इस संदर्भ में यह आवश्यक है कि सतत विकास पर अधिकारियों को न केवल वर्तमान के लिए प्रशिक्षित किया जाए,बल्कि आनेवाली पीढ़ियों के लिए भी किया जाए।

सतत विकास का प्रशिक्षण :

मॉयल में अधिकारियों की संख्या 344 है तथा उन्हें सतत विकास पर चरणबध्द तौर पर प्रशिक्षित किया जाना है।

वर्ष 2012 के दौरान सतत विकास पर अधिकारियों की प्रशिक्षण की परियोजना :

वर्ष 2012–13 के दौरान विभिन्न शाखाओं एवं काडर के अधिकारियों को सतत विकास पर प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा इस परियोजना के लिए 2012–13 के दौरान 4 लाख रू. की लागत आएगी।

केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपकमों (सी.पी.एस.ई.) के ग्रेडिंग के लिए निगमित अधिशासन पर उनके दिशानिर्देश के अनुपालन के आधार पर प्रपत्र

सीपीएसई का नाम :
मंत्रालय/विभाग का नाम :
सूचिबध्द/असुचिबध्द :———————— वर्ष———— तिमाही ————————

1.1 बोर्ड की संरचनां (2 अंक)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या बोर्ड के पास कार्यात्मक, नामित एवं स्वतंत्र निदेशक का अनुकूल संयोजन है? (बोर्ड में सदस्यों की अनुकूल संख्या बीपीई द्वारा निश्चित की जाए) | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या कंपनी में कार्यात्मक निदेशकों की संख्या (सीएमडी/एमडी को समाविष्ट करते हुए) बोर्ड के वास्तविक बल के 50 प्र.श. बनती है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

1.2 गैर सरकारी निदेशकं (5 अंक)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या नामित निदेशकों की संख्या डीपीई दिशानिर्देश के अनुसार सरकार/अन्य सीपीएसई द्वारा नियुक्त की गई है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या स्वतंत्र निदेशकों की संख्या बोर्ड सदस्यों के कम से कम 50 प्र.श. (कार्यकारी अध्यक्ष के साथ सुचीबध्द सीपीएसई के मामले में) एवं कम से कम एक तिहाई (सूचीबध्द के मामले में उनको कार्यकारी अध्यक्ष के बगैर एवं असूचीबध्द सीपीएसई) है? | 4 | हॉ=4<br>नहीं=0 | |

1.3 पार्ट टाईम निदेशक की क्षतिपूर्ति एवं प्रगटीकरण (1 अंक)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या डीपीई के दिशानिर्देश एवं कंपनी अधिनियम 1956 के अनुसार स्वतंत्र निदेशक को शामिल करते हुए पार्ट टाईम निदेशक का शुल्क/क्षतिपूर्ति मण्डल द्वारा तय की गई है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

1.4 मण्डल सभाएं (2 अंक)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या पिछले 12 महीनों में दो सभाओं के मध्य 3 माह का अंतर न रखते हुए मण्डल की 4 सभाएं आयोजित की गई है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या पिछले 12 महीनों में सभा के 7 दिन पूर्व सभा के कार्यवृत्त के साथ मण्डल के सभी सदस्यों को सभा का ज्ञापन प्राप्त हुआ ? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

1.5 कानुन के पालन की समीक्षा (5 अंक)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या प्रबंधन ने मण्डल को यह प्रमाणित किया है कि कंपनी को लागू होने वाले सभी कानून एवं सांविधिक नियमों का पालन एवं अनुपालन किया जा रहा है? | 5 | हॉ=5<br>नहीं=0 | |

1.6 आचार संहिता (2 अंक)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या कंपनी के पास कंपनी के निदेशकों एवं वरिष्ठ प्रबंधकों को लागू होने वाला, मण्डल द्वारा स्वीकृत मैन्यूअल है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या मण्डल के सदस्य, विवादित एजेंडा के कारण, जिसमें उसकी व्यक्तिगत रूचि हो, उसमें उन्होंने भाग नहीं लिया ? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

1.7 जोखिम प्रबंधन (4 अंक)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या कंपनी के पास संपूर्ण मण्डल द्वारा स्वीकृत जोखिम प्रबंधन योजना है? | 2 | हॉ=2<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या मण्डल द्वारा जोखिम प्रबंधन योजना को लागू करने की समीक्षा एवं उपाय योजना की जाती है ? | 2 | हॉ=2<br>नहीं=0 | |

1.8 नए मण्डल सदस्यों का प्रशिक्षण (4 अंक)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या मण्डल के पास मण्डल सदस्यों के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता पर विशिष्ट नीति है? | 2 | हॉ=2<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या मण्डल में नियुक्त होने के पश्चात प्रति वर्ष एक सप्ताह का संस्थागत प्रशिक्षण मण्डल सदस्य को दिया गया है ? | 2 | हॉ=2<br>नहीं=0 | |

2.1 लेखा परीक्षा समिति का गठन (4 अंक)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या निदेशक मण्डल के पास विचारार्थ विषय के साथ अर्हतापूर्ण एवं स्वतंत्र लेखा परीक्षा समिति है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या लेखा परीक्षा समिति में कम से कम 3 निदेशक सदस्य तथा उसके सदस्य के दो तिहाई स्वतंत्र निदेशक के रूप में है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 3. | क्या लेखा परीक्षा समिति का अध्यक्ष स्वतंत्र निदेशक है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 4. | क्या लेखा समिति के सभी सदस्यों को कंपनी के वित्तीय मामलों की जानकारी है तथा कम से कम एक सदस्य लेखा एवं वित्तीय प्रबंधन का विशेषज्ञ है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

2.2 लेखा समिति की भूमिका (6 अंक)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या लेखा परीक्षा समिति का कार्य संचालन प्रकिया में यह विशेष उल्लेख किया गया है कि कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रकिया में चुक तथा वित्तीय जानकारी के प्रगटीकरण के लिए लेखा परीक्षा समिति जिम्मेदार है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या लेखा परीक्षा समिति के कार्य संचालन की प्रकिया में यह विशेष उल्लेख है कि वह मण्डल को लेखा परीक्षा शुल्क तय करने की सिफारिश कर सकती है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 3. | क्या लेखा परीक्षा समिति के कार्य संचालन की प्रकिया में यह विशेष उल्लेख है कि वह सांविधिक लेखा परीक्षक के द्वारा दी गई किसी भी सेवा का भुगतान स्वीकृत कर सकते है ? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 4. | क्या लेखा परीक्षा समिति के कार्य संचालन की प्रकिया में यह विशेष उल्लेख है कि लेखा परीक्षा समिति प्रबंधन के साथ समीक्षा करने तथा मण्डल में स्वीकृति के लिए प्रस्तुत करने के पूर्व कंपनी का वार्षिक वित्तीय विवरण तथा अंकेक्षण लागू कानून, नियमन एवं कंपनी के नीति के अनुकूल है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 5. | क्या लेखा परीक्षा समिति का कार्य संचालन प्रकिया में यह विशेष उल्लेख किया गया है कि लेखा परीक्षा समिति प्रबंधन के साथ आंतरिक लेखा परीक्षक का कार्य निष्पादन तथा आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता की समीक्षा करने के लिए जिम्मेदार है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 6. | क्या लेखा परीक्षा समिति का संचालन करने की प्रकिया एवं नियम मण्डल द्वारा स्वीकृत है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

2.3 लेखा परीक्षा समिति के अधिकार (5 अंक)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या लेखा परीक्षा समिति को सी. पी.एस.ई. के किसी भी कर्मचारी से जानकारी प्राप्त करने का अधिकार दिया गया है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या लेखा परीक्षा समिति को बाहर से कानूनी मदद या जब भी आवश्यक हो अन्य विशेषज्ञ से मदद लेने का अधिकार है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 3. | क्या लेखा परीक्षा समिति को लेखा परीक्षक की स्वतंत्रता को अधिक मजबूत करने के लिए अभिरूचि के विवाद को कम करने का अधिकार है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 4. | क्या लेखा परीक्षा समिति को आंतरिक नियंत्रण तथा जोखीम प्रबंधन की प्रभावशीलता को सुनिश्चित करने का अधिकार है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 5. | क्या कर्मचारी व अन्यों के लिए, जो आंतरिक लेखा कार्य अथवा बाहरी लेखा परीक्षक को उल्लंघन की जानकारी देते है, उनकी सुरक्षा की प्रणाली है? ("व्हीसल ब्लोअर" की सुरक्षा) | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

2.4 लेखा परीक्षा समिति की सभा (5 अंक)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या पिछले 12 महीनों के दौरान लेखा परीक्षा समिति की कम से कम 4 सभाएं हुई? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या मापदण्डानुसार(4 माह का अंतराल) लेखा परीक्षा समिति की दो सभाओं के मध्य अंतराल हुआ है? | 2 | हॉ=2<br>नहीं=0 | |
| 3. | क्या लेखा परीक्षा समिति की सभा में कम से कम दो स्वतंत्र निदेशक उपस्थित हुए? | 2 | हॉ=2<br>नहीं=0 | |

2.5 लेखा परीक्षा समिति के जानकारी की समीक्षा (5 अंक)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या लेखा परीक्षा समिति द्वारा वित्तीय स्थिति तथा प्रचालन के परिणाम की प्रबंधन वार्ता एवं विश्लेषण की समीक्षा की गई? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या लेखा परीक्षा समिति में प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत संबंधित पार्टी व्यवहार के विवरण की समीक्षा की है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 3. | क्या लेखा परीक्षा समिति द्वारा आंतरिक नियंत्रण की कमजोरियों पर की गई समीक्षा के संबंध में आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग ने रिपोर्ट किया ? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 4. | क्या मुख्य आंतरिक लेखा परीक्षक की नियुक्ति तथा/या हटाने के बारे में लेखा परीक्षा समिति के समक्ष जानकारी प्रस्तुत की गई है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 5. | क्या सीईओ/सीएफओ द्वारा घोषित वित्तीय विवरण की समीक्षा लेखा समिति द्वारा की गई है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

3.1 पारिश्रमिक समिति का गठन (5 अंक)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या मण्डल के पास पारिश्रमिक समिति है, | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या पारिश्रमिक समिति में कम से कम 3 निदेशक है, जो सभी अंशकालीन निदेशक है? (नामित या स्वतंत्र) | 2 | हॉ=2<br>नहीं=0 | |
| 3. | क्या पारिश्रमिक समिति का अध्यक्ष स्वतंत्र निदेशक है? | 2 | हॉ=2<br>नहीं=0 | |

3.1 पारिश्रमिक समिति का गठन (5 अंक)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या मण्डल के पास पारिश्रमिक समिति है, | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या पारिश्रमिक समिति में कम से कम 3 निदेशक है, जो सभी अंशकालीन निदेशक है? (नामित या स्वतंत्र) | 2 | हॉ=2<br>नहीं=0 | |
| 3. | क्या पारिश्रमिक समिति का अध्यक्ष स्वतंत्र निदेशक है? | 2 | हॉ=2<br>नहीं=0 | |

4.1 सहायक कंपनी का मण्डल (3 अंक)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या सहायक कंपनी के मण्डल में कम से कम मुख्य कंपनी का एक स्वतंत्र निदेशक, निदेशक के रूप में है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या सहायक कंपनी के निदेशक मण्डल की सभा का कार्यवृत्त मुख्य कंपनी के मण्डल सभा में प्रस्तुत किया गया है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 3. | क्या कार्यपालक निदेशक (सीएमडी/एमडी) मण्डल की 50 प्र.श.वास्तविक बल के बराबर है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

4.2 लेखा परीक्षा समिति द्वारा सहायक कंपनी के वित्तीय विवरण की समीक्षा (3 अंक)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या सहायक कंपनी के वित्तीय विवरण की समीक्षा प्रमुख कंपनी की लेखा परीक्षा समिति करती है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

4.3 सहायक कंपनी के कार्य निष्पादन का मण्डल द्वारा समीक्षा (1 अंक)

| क्रम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या प्रमुख कंपनी के निदेशकों द्वारा सहायक कंपनी के कार्य निष्पादन की समीक्षा डीपीए के दिशानिर्देशों के अनुसार की जाती है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

5.1 संव्यवहार (3 अंक)

| क्रम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या मण्डल की लेखा परीक्षा समिति के समक्ष संबंधित पार्टियों के साथ के सामान्य व्यापार का सारांश प्रस्तुत किया गया है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या लेखा परीक्षा समिति के समक्ष असामान्य परिस्थिति में संबधित पार्टियों के साथ किए गए वैयक्तिक एवं सामग्री संव्यवहार का विवरण प्रस्तुत किया गया है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 3. | क्या संबंधित पार्टियों के साथ वैयक्तिक या अन्य पार्टियों के साथ वह व्यवहार आर्म्स लेंग्थ आधार पर किया गया है, वह प्रबंधन के न्यायोचित कारण के साथ लेखा परीक्षा समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

5.2 लेखाकरण मानक (3 अंक)

| क्रम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या कंपनी की लेखाकरण प्रकिया आईसीएआई द्वारा अंगीकृत लेखाकरण मानक के अनुकूल है? | 2 | हॉ=2<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या कंपनी के वित्तीय विवरण एवं निगमित शासन रिपोर्ट में प्रगटीकृत एवं स्पष्ट निर्धारित लेखाकरण मानक में विचलन है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

5.3 समेकित वित्तीय विवरण (3 अंक)

| क्रम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या कंपनी का समेकित वित्तीय विवरण, आईसीएआई द्वारा जारी एएस 21, एएस–23 एवं एएस–27 नामक लेखाकरण मानक के अनुसार तैयार किया गया है? | 3 | हॉ=3<br>नहीं=0 | |

5.4 खण्ड रूप में लाभ हानी विवरण (3 अंक)

| क्रम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या, आईसीएआई द्वारा जारी लेखाकरण मानक 17 के अनुसार कंपनी ने खण्ड रूप में लाभ हानी लेखा का प्रगटीकरण किया है? | 3 | हॉ=3<br>नहीं=0 | |

5.5 मण्डल प्रगटीकण–जोखीम प्रबंधन (3 अंक)

| क्रम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या कंपनी के अद्यतन वार्षिक रिपोर्ट में भविष्य में कंपनी के द्वारा सामना की जाने वाली महत्वपूर्ण जोखिमों की पहचान तथा प्रबंधन का मूल्यांकन शामिल किया गया है? | 2 | हॉ=2<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या कंपनी के अद्यतन वार्षिक रिपोर्ट में निगमित उद्देश्य (मिशन) विवरण का समावेश है तथा क्या उस विवरणी को सामयिक अद्यतन किया जाता है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

5.6 निदेशकों का पारिश्रमिक (3 अंक)

| क्रम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या कंपनी के अद्यतन वार्षिक रिपोर्ट में सभी अंशकालिक निदेशकों के आर्थिक संबंध या व्यवहार की घोषणा की गई है? | 2 | हॉ=2<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या कंपनी अपनी आधुनिक वार्षिक रिपोर्ट में निदेशकों के क्षतिपूर्ति पर विवरण प्रकाशित करती है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

5.7 प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण(1 अंक )

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण रिपोर्ट समाविष्ट करती है?<br>ए. उद्योग संरचना एवं विकास<br>बी. बल एवं दुर्बलता<br>सी. सुअवसर एवं आशंका<br>डी. भविष्य के लिए दृष्टिकोण<br>ई. जोखिम एवं रूचि<br>एफ. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली एवं उसकी पर्याप्तता<br>जी. वित्तीय विश्लेषण एवं प्रचालन<br>एच. मानव संसाधन, औद्योगिक संबंध एवं प्रतिभा प्रबंधन निष्कर्ष<br>आई. पर्यावरण संरक्षण, उर्जा वापर का नविनीकरण तथा अनुसंधान एवं विकास परिणाम एवं<br>जे. कंपनी के लिए प्रदत्त सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

5.8 वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा प्रगटीकरण (1 अंक)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट वरिष्ठ प्रबंधन के (जहां उनकी वैयक्तिक पसंद है) लेन–देन के उद्देश्य "संबंधित पार्टी" को प्रगट करती है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

6.1 निगमित प्रशासन पर रिपोर्ट (4 मार्क)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या डीपीई द्वारा जारी दिशा निर्देशा नुसार निगमित शासन के पालन हेतु कम्पनी की अद्यतन वार्षिक रिपोर्ट में अलग सेक्शन में उल्लेख है? | 2 | हॉ=2<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या कम्पनी निगमित शासन पर उल्लेखनीय विकास का प्रभाव जैसे कानुनी तथा पर्यावरनिक मामले, (जैसे मानव बल के प्रति वचनबध्दता, पूर्तिकर्ता, ग्राहक एवं स्थानीय समुदाय इत्यादि) को उल्लेखित करते हुए सामुहिक रिपोर्ट एवं प्रेस विज्ञप्ति का प्रकाशन करती है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 3. | क्या सूचना एवं संचार तकनीकी के माध्यम से पनधारियों के साथ जानकारियों की भागीदारी करने के लिए समर्पित सेल कम्पनी के पास है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

6.2 अनुपालन प्रमाणपत्र (4 मार्क)

| कम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या कंपनी ने निगमित शासन दिशानिर्देश एवं अनुबंध के पालन का प्रमाणपत्र लेखापरीक्षक तथा/या व्यवहारिक कंपनी सचिव से प्राप्त किया है? | 2 | हॉ=2<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या कंपनी के अद्यतन वार्षिक रिपोर्ट में निदेशक रिपोर्ट, जो सभी अंशधारकों को भेजी गई है, में अनुपालन प्रमाणपत्र का समावेश किया गया है? | 1 | हॉ=2<br>नहीं=0 | |

6.3 वार्षिक सर्वसाधारण सभा में अध्यक्ष का भाषण एवं वार्षिक रिपोर्ट (4 मार्क)

| क्रम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या अद्यतन वार्षिक सर्वसाधारण सभा में अध्यक्ष के भाषण में निगमित शासन दिशानिर्देश के अनुपालन के भाग का समावेश है? | 2 | हॉ=2<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या हाल में हुई सर्वसाधारण सभा में अध्यक्ष का भाषण कंपनी के वार्षिक रिपोर्ट का भाग है? | 2 | हॉ=2<br>नहीं=0 | |

6.4 वार्षिक सर्वसाधारण सभा लेना अंकेक्षित लेखा का अंगीकरण निर्धारित समयावधि के अंदर कंपनी के रजिस्ट्रार के पास अंगीकृत लेखा प्रस्तुत करना (4 मार्क)

| क्रम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या अंशधारकों के सुविधाजनक समय व स्थान पर, जो सभी अंशधारकों के लिए खुला हो, कंपनी ने वार्षिक सर्वसाधारण सभा ली है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |
| 2. | क्या कंपनी के अंशधारकों द्वारा अंगीकृत किए जाने के लिए वार्षिक सर्वसाधारण सभा में वर्षान्त अंकेक्षित लेखा प्रस्तुत किया है? | 2 | हॉ=2<br>नहीं=0 | |
| 3. | क्या निर्धारित समयावधि के अंदर कंपनी रजिस्ट्रार के समक्ष वार्षिक सर्वसाधारण सभा में अंगीकृत वर्षान्त अंकेक्षित लेखा फाईल किया गया है? | 1 | हॉ=1<br>नहीं=0 | |

6.5 ग्रेडिंग रिपोर्ट का सामयिक प्रस्तुतिकरण (4 मार्क)

| क्रम | संकेतक | निर्धारित अंक | मापन के लिए मापदंड | दिए गए अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | क्या प्रत्येक तिमाही समाप्त होने के 15 दिन पूर्व कंपनी ने संबंधित प्रशासनिक मंत्रालय को निर्धारित फार्म में निगमित शासन पर डीपीई के दिशानिर्देशों के संबंध में तिमाही रिपोर्ट प्रस्तुत किया है? | 4 | हॉ=4<br>नहीं=0 | |

(के.जे. सिंह)
(अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक)

टिप्पणी :–

1. उपरोक्त प्रपत्र में ग्रेडिंग रिपोर्ट प्रत्येक तिमाही के लिए भरी जानी चाहिए तथा कुल मार्क (100 में से) प्रत्येक तिमाही के लिए गणना की जानी चाहिए। वार्षिक अंक प्राप्त करने के लिए 4 तिमाहियों क अंकों का औसत निकाले।
2. नीचे दर्शाए अनुसार ग्रेडिंग दी जाएगी।

| ग्रेड | वार्षिक अंक |
|---|---|
| उत्कृष्ट | 85 तथा उसके उपर |
| अति उत्तम | 75–84 |
| उत्तम | 60–74 |
| सामान्य | 50–59 |
| खराब | 50 से नीचे |

3. उस मामले में विशिष्ट संकेतक सी.पी.एस.ई. को लागू न हो तो लागू न होने का न्यायोचित कारण दर्शाते हुए प्रपत्र में उल्लेख करें तथा उस संकेतक को छोड़ कर अंक की गणना करें तथा 100 में से कुल अंक प्राप्त करने के लिए अंकों का प्रो–राटा गणना करें।